

## Part-B Unit 01. समाजशास्त्र का परिचय (Introduction to Sociology)

**Q. समाजशास्त्र का अर्थ लिखकर परिभाषित करें।**

**Write down the meaning of sociology and define it.**

उत्तर- अर्थ (Meaning) मानव जीवन की विशिष्टतम विशेषता उसका सामाजिक रूप है। अरस्तू के अनुसार मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, जिसका स्वभाव व आवश्यकताएँ उसे सामाजिक बन्धनों के निर्माण हेतु प्रेरित करती हैं।

समाजशास्त्र विषय की स्थापना सर्वप्रथम फ्रांस के विद्वान Auguste Comte (आगस्ट कोम्टे) ने सन् 1839 में की। इन्हें समाजशास्त्र का जनक भी कहा जाता है।

इसके पश्चात् इस शास्त्र का धीरे-धीरे विकास हुआ, जिसके फलस्वरूप विभिन्न सामाजिक विज्ञानों, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मानव-विज्ञान व मनोविज्ञान का जन्म हुआ।

Sociology शब्द की उत्पत्ति लैटिन शब्द *societus* (सोसायटस) एवं यूनानी शब्द *logos* (लोगोस) से मिलकर हुई है।

*Societus* का अर्थ "समाज" तथा *logos* का "अध्ययन" या "विज्ञान" होता है। इस प्रकार समाजशास्त्र (Sociology) का शाब्दिक अर्थ "समाज का विज्ञान या अध्ययन" हुआ।

**समाजशास्त्र की परिभाषाएँ (Definitions of Sociology)**

- एल.एफ. वार्ड के अनुसार समाजशास्त्र समाज का विज्ञान है। (Sociology is the science of Society).

- गिडिन्स (Giddins) के अनुसार
- समाजशास्त्र समाज का वैज्ञानिक अध्ययन है। (Sociology is the Scientific Study of Society).
- एच.पी. फेयर चाइल्ड के अनुसार समाजशास्त्र मनुष्यों एवं मानवीय पर्यावरण के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन है।
- गिडिंग्स के अनुसार - समाजशास्त्र समग्र रूप से समाज का क्रमबद्ध वर्णन और व्याख्या है।
- दुर्खीम के अनुसार समाजशास्त्र सामूहिक प्रतिनिधित्व का विज्ञान है।

Answer: Meaning:

The most distinctive feature of human life is its social form. According to Aristotle, man is a social animal, whose nature and needs inspire him to form social bonds.

The subject of sociology was first established by the French scholar Auguste Comte in 1839. He is also called the father of sociology.

After this, this discipline gradually developed, as a result of which various social sciences, history, economics, political science,

anthropology and psychology were born.

The word Sociology is derived from the Latin word *societus* and the Greek word *logos*. *Societus* means “society” and *logos* means “study” or “science”.

Thus, the literal meaning of Sociology is “science or study of society”.

### Definitions of Sociology

- L.F. According to Ward, sociology is the science of society.
- According to Giddins Sociology is the scientific study of society.
- H.P. According to Fair Child, sociology is the study of relationships between humans and the human environment.
- According to Giddings –  
Sociology is the systematic description and explanation of society as a whole.
- According to Durkheim, sociology is the science of collective representation.

**Q. नर्स के लिए या नर्सिंग के क्षेत्र में समाजशास्त्र का क्या महत्व है?**

**What is the importance of sociology for nurse or in the field of nursing?**

उत्तर- नर्सों के लिए समाजशास्त्र का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है।

नर्सिंग पेशे में समाजशास्त्र का निम्न कारणों से महत्व है-

### 1. सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन (Socio-cultural Life)

समाजशास्त्र नर्सों को रोगी के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को समझने में मदद करता है।

भारत जैसे देश में जहां विभिन्न धर्मों, जातियों, संप्रदायों और पंथों के लोग रहते हैं, रोगी के उपचार से पूर्व उसकी परंपराओं, रीति-रिवाज, विश्वास, मूल्यों तथा सांस्कृतिक प्रतिमानों (cultural pattern) को समझना आवश्यक है।

### 2. सामाजिक कारक (Social Factors)

समाजशास्त्र के अध्ययन से नर्स उन सामाजिक कारकों (social factors) का पता लगा सकती है, जोकि स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं या बीमारी उत्पन्न करते हैं।

### 3. सामुदायिक स्वास्थ्य समस्याएँ (Public Health Problem) -

Medical Sociology, जोकि समाजशास्त्र की ही एक शाखा है, के अध्ययन से हम अनेक सामुदायिक स्वास्थ्य समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

अनेक रोग, जैसे संक्रामक बीमारियाँ (infectious diseases), हृदय रोग, मधुमेह (diabetes), उच्च रक्तचाप, अल्सर आदि जोकि आधुनिक जीवन-शैली के दबाव व

तनाव के कारण होती हैं, के समाधान में आयुर्विज्ञान समाजशास्त्र (Medical Sociology) का ज्ञान बहुत सहायक है।

#### 4. राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाएं (National Health Services) -

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के सही उपभोग (utilization) एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों (National Health Programmes) के सफल क्रियान्वयन के लिए सामुदायिक सहभागिता (community participation) एक अत्यन्त आवश्यक घटक है।

समाजशास्त्र के ज्ञान से नर्स समुदाय विशेष की स्वास्थ्य आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य समस्याओं को भली प्रकार से जान सकती है तथा लोगों को इन कार्यक्रमों से जुड़ने व उपलब्ध स्वास्थ्य-सेवाओं के बेहतर उपभोग के लिए प्रेरित कर सकती है।

#### 5. स्वास्थ्य-शिक्षा (Health education)

समुदाय में रोगों की रोकथाम (disease prevention) करने व स्वास्थ्य स्तर को उन्नत करने के लिए लोगों को स्वास्थ्य-शिक्षा प्रदान करना आवश्यक है।

स्वास्थ्य-शिक्षा के माध्यम से ही लोगों की स्वास्थ्य संबंधी आदतों एवं दृष्टिकोण में परिवर्तन किया जा सकता है।

समुदाय के लोगों को स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रदान करने के लिए नर्स को समुदाय विशेष के सामाजिक जीवन के प्रत्येक पहलू के बारे में ज्ञान होना आवश्यक है, जोकि समाजशास्त्र के अध्ययन से ही सम्भव है।

#### 6. सामंजस्य (Adjustment)

समाजशास्त्र का ज्ञान नर्स को अस्पताल संगठन की परिस्थितियों में सामंजस्य बिठाने, नर्स-रोगी संबंध, नर्स-डाक्टर सम्बन्ध तथा नर्स-जनता संबंध को समझने और उनमें

तालमेल बनाये रखने में सहायक है।

### 7. सामाजिक नियोजन एवं विकास (Social Planning and Development)

समाजशास्त्र हमें सामाजिक समस्याओं को जानने, सामाजिक संस्थाओं में हो रहे परिवर्तनों को समझने और समाज के विकास की योजना बनाने में मदद करता है। सामाजिक नियोजन एवं विकास के लिए समाजशास्त्र का अध्ययन आवश्यक है।

### 8. सामाजिक संरचना एवं स्वास्थ्य सेवाएं (Social Structure and Health Services)

समाजशास्त्रीय अध्ययन से परिवार, सामाजिक संरचना तथा समुदाय का अध्ययन किया जा सकता है और जिसके आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं को संगठित एवं विपरीत किया जा सकता है।

### 9. सामाजिक जटिलताएं (Social Complications)

समाजशास्त्र के अध्ययन से सामाजिक संबंधों में आने वाली जटिलताओं और उनका स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जा सकता है, साथ ही अन्य बाह्य कारक/कारण जो स्वास्थ्य सेवाओं पर विपरीत प्रभाव डालते हैं, उनका भी पता लगाया जा सकता है।

Answer: Knowledge of sociology is very necessary and important for nurses.

Sociology is important in nursing profession due to the following reasons-

## 1. Socio-cultural Life

Sociology helps nurses to understand the socio-cultural life of the patient. In a country like India where people of different religions, castes, sects and sects live, it is necessary to understand the traditions, customs, beliefs, values and cultural patterns of the patient before treating him.

## 2. Social Factors:

Through the study of sociology, nurses can understand those social factors. Can detect, which affect health or cause disease.

## 3. Public Health Problems -

By studying Medical Sociology, which is a branch of sociology, we can solve many community health problems.

Knowledge of Medical Sociology is very useful in solving many diseases like infectious diseases, heart diseases, diabetes, high blood pressure, ulcers etc. which are caused due to the pressure and stress of modern lifestyle. Is helpful.

## 4. National Health Services -

Community participation is a very essential component for proper utilization of national health services and successful implementation of National Health Programmes. With the knowledge of sociology, the nurse can better understand the

health needs and health problems of a particular community and can motivate people to join these programs and make better use of the available health services.

#### 5. Health education:

To prevent diseases and improve health in the community. To improve the level, it is necessary to provide health education to the people.

Only through health education can the health habits and attitudes of people be changed.

To provide health related information to the people of the community, it is necessary for the nurse to have knowledge about every aspect of the social life of a particular community, which is possible only through the study of sociology.

#### 6. Adjustment:

Knowledge of sociology helps the nurse to adjust to the conditions of the hospital organization, understand the nurse-patient relationship, nurse-doctor relationship and nurse-public relationship and maintain coordination among them.

#### 7. Social Planning and Development

Sociology helps us to know social problems, understand the changes taking place in social institutions and plan the



development of the society.

Study of sociology is necessary for social planning and development.

#### 8. Social Structure and Health Services:

Through sociological study, family, social structure and community can be studied and on the basis of which health services can be organized and contrasted.

#### 9. Social Complications:

Through the study of sociology, the complexities in social relations and their impact on health services can be studied, as well as other external factors/reasons that have an adverse effect on health services. can also be detected.

#### Q. समाजशास्त्र की शाखाओं का वर्णन कीजिए।

**Describe the branches of sociology.**

उत्तर - समाजशास्त्र की प्रमुख शाखाएँ निम्न हैं-

##### 1. प्रयोगात्मक समाजशास्त्र (Experimental Sociology)

किसी भी प्रकार के वैज्ञानिक विषय का अध्ययन प्रयोगात्मक तरीके से ही सम्भव है, जिसमें उस विषय से संबंधित तथ्यों का एकत्रीकरण कर उनका विश्लेषण किया जाता है।

अन्त में प्राप्त निष्कर्षों को सिद्धान्तों के रूप से प्रस्तुत किया जाता है।

इस शाखा द्वारा ही समाजशास्त्र को विज्ञान के रूप में प्रस्तुत करने में सहायता प्राप्त होती है।

## 2. व्यावहारिक समाजशास्त्र (Applied Sociology)

समाज में विद्यमान विभिन्न सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु समाजशास्त्र के ज्ञान का उपयोग व्यावहारिक रूप से समाजशास्त्र के अन्तर्गत किया जाता है। यह शाखा समाज में समाजशास्त्र का उपयोग समस्या समाधान, नीति-निर्माण, समाज कल्याण योजनाओं आदि के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

## 3. विशुद्ध समाजशास्त्र (Pure Sociology)

विशुद्ध विज्ञान द्वारा सामग्री का अध्ययन कर उससे निष्कर्ष प्राप्त कर उन्हें सिद्धान्तों का रूप दिया जाता है। विशुद्ध समाजशास्त्र के अन्तर्गत समाज की समस्याओं, परिवर्तनों, व्यवस्थाओं व संस्थाओं से अध्ययन-सामग्री को एकत्रित कर उसका अध्ययन किया जाता है तथा प्राप्त निष्कर्षों को सिद्धान्त के रूप में समाजशास्त्र में प्रस्तुत किया जाता है।

## 4. सामाजिक मनोविज्ञान (Social Psychology)

इस शाखा में मनोविज्ञान का अध्ययन किया जाता है। मनोविज्ञान में एक व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है, जबकि सामाजिक मनोविज्ञान में समाज के समूहों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है।

## 5. ऐतिहासिक समाजशास्त्र (Historical Sociology)

ऐतिहासिक समाजशास्त्र के अन्तर्गत समाज के भूतकाल, वर्तमान व भविष्य सामग्री का अध्ययन किया जाता है। इसके अन्तर्गत आदिम समाज की व्यवस्था, उसमें हुए परिवर्तन, सामाजिक सम्बन्धों, संस्कृति, उसके वर्तमान व भविष्य के समाज पर प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

## 6. सामाजिक मानवशास्त्र (Social Anthropology)

सामाजिक मानवशास्त्रों के अन्तर्गत आदिम समाजों में मानव-विकास अवस्थाओं व मानव संबंधों का अध्ययन किया जाता है, साथ ही समाज निर्माण व सामाजिक अंतर्सम्बन्धों के विकास का भी अध्ययन किया जाता है।

## 7. सामाजिक अर्थशास्त्र (Social Economics)

सामाजिक अर्थशास्त्र के अन्तर्गत संस्थाओं के विकास, नियमन, कार्यप्रणाली, माँग, उत्पादन, वितरण, आदि का अध्ययन किया जाता है।

इसके साथ ही आदिम समाज में आर्थिक संस्थाएं व उनके वर्तमान समय में प्रभाव का भी अध्ययन किया जाता है।

## 8. शैक्षणिक समाजशास्त्र (Educational Sociology)

इस शाखा के अन्तर्गत समाज में शैक्षणिक संस्थाओं के कार्य, महत्व, भूमिका व समाज पर प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

## 9. औद्योगिक समाजशास्त्र (Industrial Sociology)

इस शाखा के अन्तर्गत औद्योगिक इकाइयों में मानवीय संबंधों का अध्ययन किया जाता है, जिसके द्वारा औद्योगिक इकाइयों में उपस्थित मानवीय समस्याओं के

समाधान में इसका प्रयोग किया जाता है।

#### 10. चिकित्सीय समाजशास्त्र (Medical Sociology)

चिकित्सीय समाजशास्त्र के अन्तर्गत समाज में उपस्थित मानव-समूहों की स्वास्थ्य समस्याओं का अध्ययन किया जाता है तथा स्वास्थ्य पर सामाजिक व सांस्कृतिक कारकों के प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।

#### 11. आपराधिक समाजशास्त्र (Criminal Sociology)

इस शाखा के अन्तर्गत समाज के अन्तर्गत घटित होने वाले अपराधों के प्रकार, कारणों व समाज पर प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके साथ इनके समाधान के उपाय भी सुझाए जाते हैं।

Answer: Following are the main branches of sociology-

1. Experimental Sociology: Study of any type of scientific subject is possible only through experimental method, in which facts related to that subject are collected and analyzed.

Finally the findings are presented in the form of principles. It is through this branch that one gets help in presenting sociology as a science.

#### 2. Applied Sociology:

The knowledge of sociology is used practically under sociology to solve various social problems existing in the society. This

branch of sociology in society It is used for problem solving, policy making, social welfare schemes etc.

### 3. Pure Sociology:

Pure science studies the material and derives conclusions from it and gives them the form of principles. Under pure sociology, study material is collected and studied from the problems, changes, systems and institutions of the society and the findings are presented in the form of theory in sociology.

### 4. Social Psychology:

Psychology is studied in this branch. In psychology, the behavior of an individual is studied, whereas in social psychology, the behavior of groups in society is studied.

### 5. Historical Sociology:

Under historical sociology, the past, present and future of the society is studied. Under this, the system of primitive society, the changes in it, social relations, culture, its impact on the present and future society are studied.

### 6. Social Anthropology:

Under social anthropology, the stages of human development

and human relationships in primitive societies are studied, as well as the development of society and social interactions is also studied.

#### 7. Social Economics:

Under social economics, development, regulation, functioning of institutions, demand, production, distribution, etc. are studied. Along with this, economic institutions and their At present the effect is also studied.

#### 8. Educational Sociology:

Under this branch, the work, importance, role and impact of educational institutions in the society is studied.

#### 9. Industrial Sociology:

Under this branch, human relations in industrial units are studied, through which it is used in solving human problems present in industrial units.

#### 10. Medical Sociology:

Under medical sociology, health problems of human groups present in the society are studied and the effect of social and cultural factors on health is studied. Study is done.

## 11. Criminal Sociology:

Under this branch, the types, causes and effects of crimes occurring in the society are studied. Along with this, solutions to solve them are also suggested.

**Q. अन्य सामाजिक विज्ञान के साथ समाजशास्त्र के संबंध लिखिए।**

**Write the relationship of sociology with other sciences.**

उत्तर- समाजशास्त्र तथा अन्य सामाजिक शास्त्रों में संबंध-

1. समाजशास्त्र का मानवशास्त्र से सम्बन्ध (Relationship of Sociology with Anthropology)

- समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र एक-दूसरे के इतने नजदीक हैं कि प्रायः ऐसा प्रतीत होता है कि ये एक ही अध्ययन-क्षेत्र के दो नाम हैं, परंतु समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र दो अलग-अलग विज्ञान हैं।

- मानवशास्त्र का अर्थ है मानव के अध्ययन का विज्ञान।

- समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र में एक प्रमुख अन्तर यह है कि समाजशास्त्र सामाजिक दर्शन (social philosophy) तथा सामाजिक नियोजन (social planning) से संबंधित है जबकि मानवशास्त्र का सामाजिक नियोजन से कोई सरोकार नहीं है और यह शास्त्र भविष्य के बारे में कोई सुझाव नहीं देता है।

## 2. समाजशास्त्र एवं इतिहास (Sociology and History) -

- इतिहास एक ठोस (concrete) विज्ञान है, वहीं समाजशास्त्र एक अमूर्त (abstract) विज्ञान है।
- समाजशास्त्र का मुख्य उद्देश्य समाज के सामान्य सिद्धान्तों का पता लगाना है, जबकि इतिहास का मुख्य उद्देश्य तिथिक्रम के अनुसार घटनाओं व बीती बातों का वर्णन करना है।
- इतिहास की घटनाओं में सभी ऐतिहासिक पहलुओं का अध्ययन किया जाता है, जबकि समाजशास्त्र सम्बन्धों की दृष्टि से ही उन घटनाओं का अध्ययन करता है।

## 3. समाजशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र (Sociology and Political Science) -

- राजनीतिशास्त्र समाजशास्त्र का एक भाग है, जो समाज के राजनीतिक संगठन एवं शासन के नियमों का अध्ययन करता है।
- समाजशास्त्र समाज का विज्ञान है और राजनीतिशास्त्र राज्य से सम्बन्धित विज्ञान है।
- समाजशास्त्र का क्षेत्र राजनीतिशास्त्र से अधिक व्यापक है। राजनीतिशास्त्र केवल राज्य एवं सरकार के बारे में अध्ययन करता है, जबकि समाजशास्त्र सम्पूर्ण समाज, सामाजिक संस्थाओं का अध्ययन करता है।
- समाजशास्त्र सामाजिक व्यक्ति का अध्ययन करता है, जबकि राजनीति शास्त्र राजनीतिक व्यक्ति का अध्ययन करता है।

## 4. समाजशास्त्र तथा नीतिशास्त्र (Sociology and Ethics) -

- समाजशास्त्र एक व्यावहारिक विज्ञान (behavioural science) है, जबकि नीतिशास्त्र एक आदर्शक विज्ञान (normative science) है।
- समाजशास्त्र, समाज, सामाजिक संगठन, सामाजिक समस्याओं, रीति-रिवाजों,



शिष्टाचार आदि के बारे में अध्ययन करता है, जबकि नीतिशास्त्र यह बताता है कि सामाजिक संगठन, रीति-रिवाज तथा शिष्टाचार वास्तव में कैसे होने चाहिए।

- समाजशास्त्र मनुष्य या सामूहिक रूप से अनेक सामाजिक संबंधों का अध्ययन करता है, जबकि नीतिशास्त्र मनुष्य को समाज का नैतिक प्रतिनिधि मानकर उसका व्यक्तिगत अध्ययन करता है।

#### 5. समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र (Sociology and Economics) -

- अर्थशास्त्र धन का उसके रूप-उत्पादन-वितरण एवं उपयोग का अध्ययन है।
- समाजशास्त्र एवं अन्य सामाजिक शास्त्रों की सहायता के बिना अर्थशास्त्र का विकास सम्भव नहीं है।
- समाजशास्त्र का क्षेत्र अधिक व्यापक है जबकि अर्थशास्त्र का क्षेत्र छोटा है। अर्थशास्त्र का अध्ययन मनुष्य की आर्थिक गतिविधियों तक सीमित है, जबकि समाजशास्त्र मनुष्य की सभी गतिविधियों का अध्ययन करता है।
- समाजशास्त्र का दृष्टिकोण व्यापक है, जबकि अर्थशास्त्र का मुख्य संबंध धन के उत्पादन, वितरण एवं उपयोग की तकनीकों एवं विधियों तथा मनुष्य के भौतिक सुख से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से होता है।
- अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र की अपेक्षा अधिक पुराना शास्त्र है। (Economics is much older than Sociology)

#### 6. समाजशास्त्र तथा मनोविज्ञान (Sociology and Psychology) -

- मनोविज्ञान मनुष्य को सामाजिक प्राणी मानकर उसकी मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। इसके विपरीत
- समाजशास्त्र उन विभिन्न प्रकार के समूहों का अध्ययन करता है, जिनसे समाज बनता

है।

- समाजशास्त्र समाज का समग्र रूप में अध्ययन करता है, जबकि मनोविज्ञान मनुष्य की अंतःक्रिया और उनके ऊपर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करता है।
- जिस प्रकार मनोविज्ञान मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है, उसी प्रकार समाजशास्त्र सामाजिक प्रक्रियाओं का विश्लेषण करता है।
- समाजशास्त्र समाज का अध्ययन सामुदायिक तत्व के दृष्टिकोण से करता है जबकि मनोविज्ञान तत्वों के दृष्टिकोण से समाज का अध्ययन करता है।

## 7. समाजशास्त्र तथा विधिशास्त्र (Sociology and Jurisprudence) -

- विधिशास्त्र कानून का विज्ञान है। यह कानूनी नियमों का अध्ययन करता है। विधिशास्त्र एवं समाजशास्त्र का गहरा सम्बन्ध है।

Answer- Relationship between sociology and other social sciences-

### 1. Relationship of Sociology with Anthropology

- Sociology and anthropology are so close to each other that it often seems that they are two names of the same field of study, but sociology and anthropology are two different sciences.
- Anthropology means the science of study of humans.
- A major difference between sociology and anthropology is that sociology is related to social philosophy and social planning whereas anthropology has nothing to do with social planning and this science does not give any suggestion about the future.

## 2. Sociology and History -

- History is a concrete science, whereas sociology is an abstract science.
- The main objective of sociology is to find out the general principles of the society, whereas the main objective of history is to describe the events and past things according to the chronological order.
- All historical aspects are studied in the events of history, whereas sociology studies those events only from the point of view of relationships.

## 3. Sociology and Political Science -

- Political science is a part of sociology, which studies the rules of political organization and governance of society.
- [Sociology is the science of society and political science is the science related to the state.
- The field of sociology is broader than political science. Political science studies only the state and government, whereas sociology studies the entire society and social institutions.
- Sociology studies the social individual, while political science studies the political individual.

## 4. Sociology and Ethics -

- Sociology is a behavioral science, whereas ethics is a normative science.
- [Sociology studies about society, social organization, social problems, customs, etiquettes etc., whereas ethics explains how social organization, customs and etiquettes should actually be.
- Sociology studies many social relations between humans or collectively, whereas ethics studies humans individually by considering them as the moral representative of the society.

## 5. Sociology and Economics -

- Economics is the study of money, its form, production, distribution and use.
- Development of economics is not possible without the help of sociology and other social sciences.
- The scope of sociology is more extensive whereas the scope of economics is smaller. The study of economics is limited to the economic activities of man, whereas sociology studies all the activities of man.
- The approach of sociology is broad, whereas economics is mainly concerned with the techniques and methods of production, distribution and use of wealth and the material happiness of human beings, directly and indirectly.
- Economics is an older discipline than sociology. (Economics is much older than Sociology)

## 6. Sociology and Psychology -

- Psychology considers man as a social animal and studies his mental processes. opposite of this
- Sociology studies the different types of groups that make up society.
- Sociology studies society as a whole, while psychology studies human interactions and their effects.
- Just as psychology studies mental processes, sociology analyzes social processes.
- Sociology studies society from the viewpoint of community element whereas psychology studies society from the viewpoint of elements.

## 7. Sociology and Jurisprudence -

- Jurisprudence is the science of law. It studies legal rules. There is a deep connection between jurisprudence and sociology.

**Q. समाजशास्त्र का मानवशास्त्र के साथ संबंध का वर्णन कीजिए।**

**Describe the relationship of sociology with anthropology.**

उत्तर - समाजशास्त्र का मानवशास्त्र से सम्बन्ध (Relationship of Sociology with Anthropology)

समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र एक-दूसरे के इतने नजदीक हैं कि प्रायः ऐसा प्रतीत होता है कि ये एक ही अध्ययन-क्षेत्र के दो नाम • हैं।

समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र एक-दूसरे के पूरक हैं।

Anthropology शब्द दो ग्रीक शब्दों anthropos (मानव) और logos (अध्ययन) से मिलकर बना है, जिसका अर्थ "मानव का अध्ययन या विज्ञान" होता है।

मानवशास्त्र के अन्तर्गत मानव जाति (race) के विकास का अध्ययन किया जाता है। मानवशास्त्र की तीन शाखाएँ हैं-

- शारीरिक मानवशास्त्र (Physical Anthropology)
- सांस्कृतिक मानवशास्त्र (Cultural Anthropology)
- सामाजिक मानवशास्त्र (Social Anthropology)

मानवशास्त्र मुख्यतः भूतकाल में विकसित मानव व उसकी संस्कृति के अध्ययन से संबंधित है, जबकि समाजशास्त्र वर्तमान में मानव-समाज व उसकी संस्कृति के अध्ययन पर बल देता है।

समाजशास्त्र को मानवशास्त्र पर निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि वर्तमान सामाजिक ताने-बाने (social phenomena) को समझने के लिए आदिम सामाजिक रचना (primitive social structure) को समझना आवश्यक है।

ये दोनों ही विज्ञान एक-दूसरे के पूरक भी हैं, क्योंकि सामाजिक मानवशास्त्र आदिम समाजों (primitive societies) का अध्ययन करता है और आदिम मानव व उसकी सामाजिक व्यवस्था के अध्ययन से प्राप्त ज्ञान तथा अनुभव के आधार पर समाजशास्त्रियों को आधुनिक, जटिल व विशाल समाजों को समझने और उनके विश्लेषण में सहायता मिलती है।

हाबेल (Hobbel) ने तो 'समाजशास्त्र' तथा 'सामाजिक मानवशास्त्र' को व्यापक अर्थ में एक ही तथा समान माना है तो कुछ विद्वान सामाजिक मानवशास्त्र (Social Anthropology) को समाजशास्त्र की ही एक शाखा मानते हैं।

## Q. समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र दो अलग-अलग विज्ञान हैं।

उपर्युक्त वर्णित अन्तर्संबंधों के बावजूद समाजशास्त्र व मानवशास्त्र एक-दूसरे से भिन्न विज्ञान हैं क्योंकि दोनों का अध्ययन-क्षेत्र काफी भिन्न है।

दोनों भिन्न प्रकार की समस्याओं के अध्ययन से सम्बन्धित है तथा दोनों विज्ञान अलग-अलग प्रकार की अध्ययन-विधियों (study methods) तथा शोध-विधियों (research methodology) का उपयोग करती हैं।

समाजशास्त्र तथा मानवशास्त्र में एक प्रमुख अन्तर यह है कि समाजशास्त्र सामाजिक दर्शन (social philosophy) तथा सामाजिक नियोजन (social planning) से संबंधित है जबकि मानवशास्त्र का सामाजिक नियोजन से कोई सरोकार नहीं है और यह शास्त्र भविष्य के बारे में कोई सुझाव नहीं देता है।

निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि समाजशास्त्र एवं मानवशास्त्र परस्पर पूरक तथा अन्योन्याश्रित (interdependent) होते हुए भी एक-दूसरे से भिन्न विज्ञान हैं।

Answer - Relationship of Sociology with Anthropology Sociology and Anthropology are so close to each other that it often seems that they are two names of the same field of study. Sociology and anthropology complement each other.

The word Anthropology is derived from two Greek words anthropos (human) and logos (study), meaning "the study or science of humans". Under anthropology, the development of human race is studied. There are three branches of anthropology-

- Physical Anthropology
- Cultural Anthropology
- Social Anthropology

Anthropology is mainly related to the study of human beings and their culture developed in the past, whereas sociology emphasizes on the study of human society and its culture in the present. Sociology has to depend on anthropology because primitive social structure is necessary to understand the present social phenomena. It is necessary to understand.

Both these sciences are complementary to each other, because social anthropology studies primitive societies and based on the knowledge and experience gained from the study of primitive man and his social system, sociologists have to understand modern, complex and large societies.

Helps in understanding and analyzing them. Hobbel has considered 'Sociology' and 'Social Anthropology' as one and the same in a broad sense, while some scholars consider Social Anthropology as a branch of sociology.

#### **Q. Sociology and anthropology are two different sciences.**

Despite the interrelationships mentioned above, sociology and anthropology are different sciences from each other because both The field of study is quite varied. Both are related to the study of different types of problems and both sciences use different types of study methods and research methodology.

A major difference between sociology and anthropology is that sociology is related to social philosophy and social planning whereas anthropology has nothing to do with social planning and this science does not give any suggestion about the future.



In conclusion, we can say that sociology and anthropology, despite being mutually complementary and interdependent, are different sciences from each other.